

14/9/14

लाडनू (नागौर)

पञ्जावली चेरु हरी

प्राची व उठते अधिवला ही कर-कार कावामे
 लगाम गरी। कापण्ड कावामे नपापालय ये
 कुमुपाणि है। कतः प्रापिनाण प्राची कडम
 हरी कडम करी चे खारिगडिण जग है।
 पञ्जावली के लल सुकर छेबर पुलकाड डे टाण
 हसदिग रहे।

ॐ

अपरवण्ड अधिकारी
 (पुस्तक) (कावामे २५५)
 लाडनू (नागौर)
 RAS